**असम और नागालैंड के बीच सीमा विवाद**

19213. **श्री पूर्ण नारायणसिन्हा** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल में गृह मंत्री और असम तथा नागालैंड के मुख्य मंत्रियों के बीच केन्द्रीय गृह मंत्री के कहने पर और उन की मध्यस्थता में राज्य की सीमा के बारे में विवादों को दूर करने के लिये अनेक सम्मेलन हुए थे ;

(ख) यदि हां, तो किये गये समझौते का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार किये गये समझौते के निर्देश पदों सहित समचे विषय का एक विस्तृत विवरण लोक सभा के पटल पर रखेगी और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

**गृह मंत्रालय तथा विधि, न्याय और कम्पनी-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० डी० पाटिल)**: (क) से (ग). गृह मंत्री ने अन्तर राज्य सीमा संबंधी समस्याओं पर विचार विमर्श करने के लिये असम और नागालैंड के राज्य पाल और असम व नागालैंड के मुख्य मंत्रियों के साथ 10 और 11 अप्रैल, 1979 को नई दिल्ली में एक बैठक की थी ।

मुख्यमंत्री 28-1-79 को शिलांग में हुए अपने विचार-विमर्श के दौरान निर्धारित किये गये प्रबंधों को सही अर्थों में कार्य रूप देने के लिए सहमत थे । सहमति प्राप्त निष्कर्षों में महत्वपूर्ण निष्कर्ष इस प्रकार थे :—

(1) कर्फ्यू, तलाशियों, गिरफ्तारियों इत्यादि के रूप में सामान्य स्थिति कायम करने के रास्ते में जो रुकावटें हैं उन्हें शीघ्र दूर किया जाये ।

(2) पुलिस आयुक्त/उप-महानिरीक्षक के स्तर से नीचे के स्तर तक दोनो राज्यों के संबंधित अधिकारी एक दूसरे से प्राय: मिलते रहें ।

(3) इन क्षेत्रों में न तो नये लोगों को बसाने की अनुमति दी जाए और न नये अतिक्रमण होने दिए जायें ।

(4) इन क्षेत्रों में रहने वाले तथा भूमि जोतने वाले सभी व्यक्तियों की गणना की जाए;

(5) वन काटने के नये कार्यों को रोकने के लिये वनों के नक्शों को भी तैयार किये जायें;

(6) इस क्षेत्र में सड़कों के सुधार और मरम्मत पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये ।

(7) दोनों राज्यों के स्थानीय अधिकारियों के साथ सम्पर्क बनाये रखने और समस्याओं का पता लगाने में उन की सहायता करने के लिए केन्द्र सरकार का एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त किया जायेगा ।

(8) मुख्य मंत्री इस बात पर भी सहमत थे कि भूतपूर्व सलाहकार श्री के० वी० के० सुन्दरम द्वारा दिये गये समस्या के अध्ययन के संदर्भ में सीमा विवाद पर अपने-अपने मतभेदों का पता लगाया जाए और जहां तक संभव हो परस्पर स्वीकार हल निकाला जाए ?

**Import of Tanzanian cotton**

10264. SHRI D. D. DESAI : Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state :

(a) whether Cotton Corporation of India contracted for import of Tanzanian cotton in 1976-77 for delivery in 1977-78 season though the position of 1977-78 crop position was not known at that time ;

(b) were these purchases made almost around the peak prices prevailing then ;

(c) whether CCI sold this cotton again in Tanzania at a heavy loss ; and

(d) whether any action has been taken against officers responsible for this dubious deal ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV): (a) to (d). The import of Tanzanian cotton was contracted in May 1977, (well before the 1977-78 crop dimensions were known) as part of the overall permission given to Cotton Corporation to import 14 lakh bales for meeting the then existing situation of acute shortage of cotton and high spiralling price situation. The import was contracted on the basis of quotations submitted against tenders floated by Tanzanian Cotton Authority and the rate was 0·5 US cents per lb.